Review of Research

International Online Multidisciplinary Journal

UGC APPROVED

Volume - 7 | Issue - 12 | September - 2018

5.7631(UIF) 2249-894X

सविनय कानूनभंग आंदोलन काल में श्रीगोंदा में स्थित विसापूर कारागृह का इतिहास

प्रा. वाजगे नवनाथ दत्तात्रय

प्रा. वाजगे नवनाथ दत्तात्रय

सहाय्यक प्राध्यापक व विभागप्रमु[illegible] इतिहास वि[illegible], सा[illegible]बाई [illegible] महा[illegible]लय, पिंपळगाव पिसा, ता. श्रीगोंदा, जि.अहमदनगर

[illegible] विसापूर [illegible] जो [illegible] उसके [illegible] यादें तरोताजा कर देती है। [illegible] तरह ब्रि[illegible]ने विसापूर [illegible] तालाब [illegible] निर्मा[illegible] (18[illegible]6-1926) [illegible] किया

Editor - In - Chief - Ashok Yakkaldevi

Savitribai College of Arts ID. No. PU/AN/A/ 58/1999 Pimpalgaon Pisa, Tal. Shrigonda, Dist. Ahmednagar

PRINCIPAL
Savitribai College of Arts
Pimpalgaon Pisa, Tal. Shrigonda, Dist. Ahmednagar

International Online Multidisciplinary Journal

Review of Research

Save World

ISSN NO:- 2249-894X Impact Factor : 5.7631(UIF) Volume-7, Issue-12, September - 2018

Sr. No	Title And Name Of The Author (S)	Page No
1	वारकरी संतांचा मानवतावाद प्रा. डॉ. संभाजी जाधव	1
2	जूनियर हाईस्कूल के शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की कार्यसन्तुष्टि तथा भूमिका प्रतिबद्धता का तुलनात्मक अध्ययन। Shaheena Begum	4
3	वसंतराव नाईक यांच्या योगदानाचा अभ्यास श्री.राजकुमार तुकाराम राठोड	8
4	आंतरराष्ट्रीय व्यापार व स्वदेशी चळवळ प्रा. डॉ. एन.बी मठपती	15
5	कारावासित व्यक्तियों के चुनाव लड़ने का अधिकारः एक आलोचनात्मक विश्लेषण डॉ. राजकुमार	18
6	भारतातील मोफत व सक्तीच्या प्राथमिक शिक्षणाचे आद्यप्रवर्तक : सयाजीराव गायकवाड Shri. Vilas Hanumant Ohol	21
7	सविनय कानूनभंग आंदोलन काल में श्रीगोंदा में स्थित विसापूर कारागृह का इतिहास प्रा. वाजगे नवनाथ दत्तात्रय	28

Savitribai College of Arts, Pimpalgaon Pisa, Tal. Shrigonda, Dist. Ahmednagar
ID. No. PU/AN/A/ 58/1999

PRINCIPAL
Savitribai College of Arts
Pimpalgaun Pisa, Tal. Shrigonda, Dist. Ahmednagar

REVIEW OF RESEARCH

सविनय कानूनभंग आंदोलन काल में श्रीगोंदा में स्थित विसापूर कारागृह का इतिहास

प्रा. [illegible]
सहाय्यक प्राध्यापक व विभागप्रमुख, इतिहास विभाग,
सावित्रीबाई कला महाविद्यालय, पिंपळगाव पिसा, ता. श्रीगोंदा, जि.अहमदनगर

सारांश (Abstract)

[illegible] विसापूर [illegible] किया था। [illegible] स्वातंत्र्यपूर्व काल की याद [illegible] ब्रिटिशकाल विसापूर में तालाब का निर्माण (1896 – 1926) में किया। इसी तरह [illegible] विसापूर [illegible] ब्रिटिशकालीन [illegible] बहुत बड़ा किले [illegible] स्वातंत्र्यपूर्व काल में अन्याय, अत्याचार [illegible] विसापूर [illegible] ब्रिटिशकालीन सविनय [illegible] (कुप्रसिद्ध) हुआ विसापूर कारागृह [illegible] विसापूर में स्थित है। [illegible] यह कारागृह [illegible] परिवर्तित हुआ है। यह कारागृह विसापूर [illegible] एक कि.मी. की दूरी पर स्थित है। स्वातंत्र्यपूर्व काल में [illegible] ब्रिटिशकालीन [illegible] सविनय कानूनभंग आंदोलन (1930) [illegible] विसापूर कारागृह कैदियों के लिए [illegible] के बाहर महाराष्ट्र में नहीं बल्कि अखिल भारतीय स्तर पर [illegible] था। उसका संक्षिप्त इतिहास प्रस्तुत शोधनिबंध में [illegible] किया गया है।

पारिभाषिक शब्द (Keywords): कारागृह, सविनय कानूनभंग (कायदेभंग), अहिंसा, सत्याग्रह, क्रांति, राजकिय कैदी, [illegible] सत्याग्रह, [illegible] कानून, असहकार, राष्ट्रध्वज (राष्ट्रीय ध्वज), [illegible], [illegible], निषेध सभा, राष्ट्रीय आंदोलन, [illegible] सत्याग्रह

साधन चिकित्सा (Review of Literature):–

अहमदनगर जिले के श्रीगोंदा तहसिल में स्थित यह विसापूर कारागृह है। विसापूर कारागृह में ब्रिटिशद्वारा जो अत्याचार, अन्याय राजकिय कैदियों पर होता था । उसकी आलोचना बॉबे कांग्रेस बुलेटिन जैसे वृत्तपत्रोंमें की गई थी। आज यह साधन स्वरूप उपलब्ध है। महाराष्ट्र शासनद्वारा प्रकाशित (1884, 1976) अहमदनगर डिस्ट्रिक्ट गॅझेटियरमें भी विसापूर कारागृह के बारे में टिप्पणियाँ की गई है। इसके अलावा कुमार केतकर, य. दि. फडके इन्होंने महाराष्ट्रमें जो स्वतंत्रता आंदोलन हुआ उसके बारेमें अध्ययन किया है। महाराष्ट्र शासनद्वारा प्रकाशित Source Material for a Freedom Movement इस उपक्रमसे निर्मित साधनोंसे भी विसापूर कारागृह के बारे में जानकारी मिलती है। समकालीन वृत्तपत्र जैसे Free Press Journal, Bombay Cronical इन वृत्तपत्रोंसे भी विसापूर कारागृह का इतिहास उजागर होता है। अहमदनगर के पुलिस प्रमुखने बॉबे हेड ऑफिसको जो Confidential Report भेजे थे उससे भी बहुत जानकारी प्राप्त होती है। इस तरह विभिन्न माध्यमोंसे विसापूर कारागृह के बारे में जानकारी प्राप्त होती है।

संशोधन पध्दती (Research Methodology):–

प्रस्तुत शोधनिबंध लिखने के लिए वर्णनात्मक पध्दती (Descriptive Methodology) उपयोग किया है। प्रस्तुत शोधकर्ता ने इस स्थान का सर्वेक्षण एव निरीक्षण करके प्रत्यक्ष इस स्थल की जानकारी

Savitribai College of Arts * Pimpalgaon Pisa, Tal. Shrigonda, Dist. Ahmednagar
ID. No. PU/AN/A/ 58/1999

PRINCIPAL
Savitribai College of Arts
Pimpalgaon Pisa, Tal. Shrigonda, Dist. Ahmednagar

[illegible]

[illegible] विसापुर कारागृह का भी समावेश होता है। सविनय कायदेभंग आंदोलन कालमें [illegible] कैदियोंको, रखने के लिए विसापुर कारागृह का उपयोग किया गया। यहाँ पर कैदियोंका [illegible] राष्ट्रीय [illegible] का विकास हुआ था। इसी कारण महत्त्वपूर्ण कारागृह विसापुर [illegible]

[illegible] 65 कि.मी. की दूरीपर रमानदी के किनारे एक निर्जन स्थलपर विसापुर कारागृह स्थित है। [illegible] में भारतमें रेल्वेकी स्थापना की थी। 1831 में मनमाड रेल्वेमार्ग का निर्माण हुआ। यह रेल्वेमार्ग [illegible] जाना है। ग्रेट इंडियन पेनासुला रेल्वेमार्ग इस नामसे यह रेल्वेमार्ग जाना है। अहमदनगर [illegible] की लंबाई 147 कि.मी. है। और इस मार्गपर 14 स्टेशन्स है। दौंड, मनमाड एवं स्थलोंसे [illegible] विसापुरमें कारागृह स्थापन करने समय रेल्वेमार्ग बहुत ही उपयुक्त साबित हुआ होगा। पुना या [illegible] कैदियोंको लाने के लिए ब्रिटिशोंको इस रेल्वेमार्ग का निश्चित स्वरूपसे उपयोग हुआ [illegible]।

[illegible] में पूरे भारतमें सविनय कायदेभंग आंदोलन की शुरुआत हुई। गुजरातमें दांडी सत्याग्रहमें [illegible] मुट्ठीभर नमक उठाया और नमक कानून का भंग किया। और आंदोलन की शुरुआत हुई। [illegible] अच्छा प्रतिसाद मिला। महात्मा गांधीजीके विचारोंसे प्रभावित होकर महाराष्ट्रने भी इस आंदोलन [illegible]। महाराष्ट्रमें वडाला सत्याग्रह, शिरोडा सत्याग्रह, सोलापुर सत्याग्रह इस तरह के सत्याग्रहोंमें [illegible]। अहमदनगर, नासिक, सातारा, थाना इस जिलोंमें जंगल सत्याग्रह हुआ। सोलापुरमें सेना [illegible] गया। सोलापुर, चिरनेर (कुलाबा) इन स्थानोंपर गोलाबारी हुई। महाराष्ट्रने सविनय [illegible] में बहुत महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। सविनय कायदेभंग आंदोलन कालमें जनता के मन से [illegible] ब्रिटिश सत्ता की दहशत कम हो गयी। जनता आंदोलनमें सहभाग दर्शाके खुदको कानून के [illegible]। 15 नवंबर 1930 को सविनय कायदेभंग आंदोलन काल में कारावाससे कारावास की सजा [illegible] कैदियोंकी संख्या इस प्रकार थी। महाराष्ट्र में सहभागी कैदियों की कुलसंख्या 29054 थी। जिसमें [illegible] कैदियोंमेंसे मुंबई प्रांतमें 4114 कैदी थे। जिसमें 3986 हिंदू, 110 मुस्लिम, 18 अन्यधर्मीय [illegible] थे। इस निर्णयमें 15 नवंबरमें कारावास की शिक्षा पूरी किए हुए कैदियोंका समावेश [illegible] अनुसार सविनय कायदेभंग आंदोलन के प्रथमसत्र में फरवरी 1931 तक कारावास की सजा [illegible] कैदियोंकी संख्या 60000 इतनी थी।[illegible]

PRINCIPAL
Savitribai College of Arts
Pimpalgaon Pisa, Tal. Shrigonda, Dist. Ahmednagar

विसापूर कारागृहमे [illegible] किया जा रहा था। [illegible] बुलेटिनमे इस तरह की खबर प्रकाशित हुई [illegible] कारागृहके [illegible] प्रकाशित की [illegible] कारागृहमे [illegible] पर [illegible] विसापूर कारागृहमे [illegible] और [illegible] कारागृहमे [illegible] कैदियोंका [illegible] कैदियोंको [illegible] कारागृहके कैदियोंको [illegible] दी गई है। [illegible] पडता है। प्रतिदिन दिया जानेवाला खाना [illegible] है। कैदियोपर की [illegible] है। कैदियोके हाथ और पैरोमे हथकडीयाँ लगाई जाती है। उनको भूखा रखा जाता है। कभी कभी तो उनपर हमला भी किया जाता है। कैदियोंको दिया जानेवाला खाना पौष्टिक नही है। कैदियोमे [illegible] जैसी बिमारीयाँ तो नित्य की बात है। इन [illegible] उनको बिलकुल आजादी नही मिलती। कैदियोंको [illegible] लिए जाने का बोला तो उनकी [illegible] की जाती है। खुदको सुसंस्कृत कहनेवाले ब्रिटिशोसे यह उम्मीद नही थी।

विसापूर कारागृहकी क्षमता 832 इतनी थी। अहमदनगर जिला कारागृहके कैदियोंकी क्षमता मात्र [illegible] इतनी थी। स्वातंत्र्योत्तर काल के बाद विसापूर कारागृह 'अर्धखुला कारागृह' बन गया। इस कारागृहके कैदियोंको खेती के लिए इस्तेमाल किया जाता था। इसके साथही कारागृह मे कपडा बुनाई, सिलाई और लुहारकाम भी कैदियोंको दिया जाता था। अहमदनगर जिला कारागृह कैदियोंका व्यवस्थापन और सजा देने के काम मे व्यस्त है। विसापूर कारागृह के पास खुदकी जमीन है, और उसका क्षेत्र 87.22 एकर्स है।[7] इसमे से 48 एकर्स क्षेत्र जलसिंचन की सुविधा उपलब्ध नही है। इस जमीनपर कैदियोंद्वारा विभिन्न प्रकार की तरकारी, फल, सब्जी और गन्ना जैसी चिजोंका उत्पादन होता है। सब्जी के बारे मे यह कारागृह स्वयंपूर्ण होकर कैदियोंद्वारा आधुनिक प्रकार से खेती की उपजाई होती है।

सन 2010 मे कारागृह विभागद्वारा महाराष्ट्र मे औरंगाबाद जिलेमे स्थित विहार मांडवा इस स्थानपर 10 एकर जमीनपर अहमदनगर मे विसापूर स्थान पर और नाशिक रोड जेलमे 45.54 एकर्स जमीन पर तीन नये खुले (OPEN) कारागृहों की योजना तैयार हुई। इसवक्त तक महाराष्ट्र मे पुरुषों की तीन कारागृह अस्तित्व मे थी। औरंगाबाद, नाशी और पैठण इन तीन स्थानोपर यह कारागृह स्थित है। 28 जून 2010 को येरवडा सेंट्रल जेल महाराष्ट्र एवं देश का पहला महिला खुला कारागृह स्थापीत हुआ।[8] सन 2012 तक महाराष्ट्र मे येरवडा, पैठण, औरंगाबाद, नाशी, येरवडा, ऐसी पांच जगहपर खुला कारागृह स्थित है। इसकी कुल क्षमता 972 इतनी थी। विसापूर कारागृह को जिला कारागृह से 'खुला कारागृह' बनाने का जो प्रस्ताव रखा गया था। उसको सन 2013 मे मान्यता प्राप्त होकर इस कारागृह का रूपांतर खुला कारागृह मे हो गया है।

संदर्भ एवं तल टिप्पणियाँ:–

1) बिपन चन्द्रा, **इंडियाज स्ट्रगल फॉर इंडिपेन्डन्स,** (हिंदी अनुवाद) के सागर प्रकाशन, पुणे, 2003 पृ. 615.
2) **महाराष्ट्र स्टेट गॅझेटिअर,** अहमदनगर डिस्ट्रिक्ट, मुंबई, 1976, पृ. 557.
3) कुमार केतकर, **कथा स्वातंत्र्याची, महाराष्ट्र राज्य पाठयपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ,** पुणे, 1985, पृ. 210.
4) य.दि.फडके, **विसाव्या शतकातील महाराष्ट्र, खंड 4 (1930–1939)** श्रीविद्या प्रकाशन, पुणे,1993, पृ. 74.
5) **बॉबे कॉंग्रेस बुलेटिन, बॉबे,** 24 जून 1930.
6) **महाराष्ट्र स्टेट गॅझेटियनर, अहमदनगर डिस्ट्रिक्ट,** बॉबे, 1973, पृ. 679.
7) **तत्रैव,** पृ. 680.
8) **इ. पेपर, टाइम्स ऑफ इंडिया, बॉबे,** 1 दिसंबर 2010.

PRINCIPAL
Savitribai College of Arts
Pimpalgaon Pisa, Tal. Shrigonda, Dist. Ahmednagar

Savitribai College of Arts, ID. No. PU/AN/A/ 58/1990, Pimpalgaon Pisa, Tal. Shrigonda, Dist. Ahmednagar

REFERENCES

- [illegible] **State Gazetters,** Ahmednagar District, Bombay, 1976.
- [illegible] **Material for a History of Freedom Movement,** Vol XI, Gazetteers Dept., Govt. of [illegible] Bombay, [illegible]
- [illegible] **Report,** File No. 3912/4/3717, Head Police Office, Bombay.
- [illegible] **in India,** Wikipedia, the free encyclopedia,
- [illegible] **in Maharashtra,** Maharashtra prison Department (MPD), India
- [illegible] इंडियाज स्ट्रगल फॉर इंडिपेन्डन्स (मराठी अनुवाद) के सागर प्रकाशन, पुणे, 2003.
- [illegible] कथा स्वातंत्र्याची (मराठी), महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम [illegible] मंडळ, पुणे, 1985.
- [illegible] तिसऱ्या भारतकालीन महाराष्ट्र, खंड (1930–1939), श्रीविद्या प्रकाशन, पुणे, 1993
- [illegible] कृष्णाकांठ (आत्मचरित्र)

Savitribai College of Arts ★ Pimpalgaon Pisa, Tal. Shrigonda, Dist. Ahmednagar ★ ID. No. PU/AN/A/58/1999

PRINCIPAL
Savitribai College of Arts
Pimpalgaon Pisa, Tal. Shrigonda, Dist. Ahmednagar